APNI KAKSHA BY KK MAHTO

BIHAR BOARD CLASS 12 HISTORY

अध्याय 5: यात्रियों के नज़रिए (अतीत का समाज) — 2 Marks VVI Questions

🎯 **Board Exam Special | Selected Repeated Questions (2018-2026) | Word Limit: 30-40 Words**

प्रश्न 1: अल-बरूनी का जन्म कहाँ हुआ था और वह किस शताब्दी में भारत आया था? VVI

अल-बरूनी का जन्म 973 ई. में उज्बेकिस्तान के ख्वारिज़्म में हुआ था। वह गज़नी के सुल्तान महमूद के साथ 11वीं शताब्दी (लगभग 1017 ई.) में भारत आया था और यहाँ भारतीय संस्कृति व विज्ञान का अध्ययन किया।

प्रश्न 2: इब्न बूटूता किस देश का यात्री था और उसने कौन सी प्रसिद्ध पुस्तक लिखी? VVI

इब्न बूटूता मोरक्को (उत्तर पश्चिमी अफ्रीका के टंगिअर्स) का एक प्रसिद्ध यात्री और विद्वान था। उसने अरबी भाषा में अपनी यात्रा वृत्तांत 'किताब-उल-रहला' की रचना की, जिसमें चौदहवीं शताब्दी के भारतीय समाज व राजनीतिक जीवन का जीवंत वर्णन है।

प्रश्न 3: फ्रांसिस बर्नियर कौन था? वह किस मुग़ल सम्राट के दरबार से जुड़ा था? VVI

फ्रांसिस बर्नियर एक फ्रांसीसी डॉक्टर, राजनीतिक दार्शनिक और इतिहासकार था। वह सत्रहवीं शताब्दी में मुग़ल साम्राज्य में आया था और राजकुमार दारा शिकोह के चिकित्सक तथा शाही दरबार के कई उच्च अधिकारियों के साथ लंबे समय तक जुड़ा रहा।

प्रश्न 4: अल-बरूनी द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रंथ 'किताब-उल-हिंद' की क्या विशेषता है? VVI

'किताब-उल-हिंद' अरबी भाषा में लिखी गई एक अकादमिक और वैज्ञानिक कृति है। यह प्रश्न-उत्तर शैली में है और इसमें खगोल विज्ञान, धर्म, दर्शन, रीति-रिवाजों और सामाजिक जीवन का निष्पक्ष तथा गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्न 5: इब्न बूटूता ने भारत की 'डाक प्रणाली' (Postal System) की क्या विशेषता बताई है? VVI

इब्न बूटूता भारत की डाक प्रणाली की कुशलता से बहुत प्रभावित था। उसने वर्णन किया है कि यहाँ दो प्रकार की डाक व्यवस्था थी- अश्व डाक (उलूक) जो घोड़ों द्वारा और पैदल डाक (दावा) जो धावकों द्वारा संचालित होती थी, जिससे खबरें तीव्र गति से पहुँचती थीं।

प्रश्न 6: फ्रांसिस बर्नियर के अनुसार मुग़ल कालीन भारत में 'भूमि के स्वामित्व' की क्या स्थिति थी? VVI

बर्नियर का मानना था कि मुग़ल साम्राज्य में 'निजी भू-स्वामित्व' का अभाव था और सारी भूमि का मालिक केवल सम्राट होता था। उसके अनुसार इस राजकीय स्वामित्व ने किसानों और भू-स्वामियों को भूमि सुधार में निवेश करने से हतोत्साहित किया।

प्रश्न 7: अल-बरूनी द्वारा भारतीय समाज के अध्ययन में किन बाधाओं का सामना करना पड़ा? VVI

अल-बरूनी को भारतीय समाज को समझने में मुख्य रूप से तीन बाधाएं थीं- संस्कृत भाषा की अत्यधिक जटिलता, धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं में भिन्नता तथा तथाकथित 'अहंकार' या अलगाववादी सोच जो उस समय के ब्राह्मणवादी समाज में पाई जाती थी।

प्रश्न 8: इब्न बूटूता के अनुसार भारतीय शहरों की क्या विशेषता थी? VVI

इब्न बूटूता ने भारतीय शहरों को घनी आबादी वाला, समृद्ध और विपुल अवसरों से भरपूर बताया है। शहर जीवंत बाजारों से भरे थे जहाँ कपड़ों, मसालों और बहुमूल्य वस्तुओं का बड़ा व्यापार होता था तथा सांस्कृतिक गतिविधियाँ चलती थीं।

प्रश्न 9: अल-बरूनी ने भारत की 'वर्ण व्यवस्था' (Caste System) का वर्णन किस प्रकार किया है? VVI

अल-बरूनी ने भारतीय जाति व्यवस्था को समझाने के लिए अन्य संस्कृतियों (जैसे प्राचीन फारस) का उदाहरण दिया। उसने स्पष्ट किया कि सामाजिक असमानता और शुद्धता-अशुद्धता की अवधारणा केवल भारत तक सीमित नहीं है, यद्यपि यहाँ यह बहुत कठोर थी।

प्रश्न 10: यात्रियों के दृष्टिकोण से इतिहास लेखन में क्या लाभ होता है? VVI

विदेशी यात्रियों के यात्रा वृत्तांतों से हमें राजाओं के इतिहास के अलावा आम लोगों के जीवन, खान-पान, वेशभूषा, धार्मिक विश्वासों, सामाजिक कुप्रथाओं और शासन प्रणाली की ऐसी बहुमूल्य जानकारियां मिलती हैं जो राजसी ग्रंथों में छूट जाती हैं।